No. of Printed Pages : 3

MHD-3

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम. ए. हिन्दी)

(एम. एच. डी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2020

एम. एच. डी.-3 : उपन्यास एवं कहानी

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : (*i*) निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(*ii*) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

---

1. 'गोदान' का प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए। 20

2. 'धरती धन न अपना' के कथ्य पर विचार कीजिए। 20

3. 'बाणभट्ट की आत्मकथा' में अभिव्यक्त भारतीय जीवन-दृष्टि का विवेचन कीजिए। 20

4. 'पाजेब' की कथावस्तु पर विचार करते हुए इसमें शामिल मध्यमवर्गीय मानसिकता के बिन्दुओं को उद्घाटित कीजिए। 20

5. 'रोज़' में चित्रित नारी जीवन का विवेचन कीजिए। 20

6. 'चीफ की दावत' की कथावस्तु पर विचार करते हुए इसकी समसामयिकता और प्रासंगिकता सिद्ध कीजिए। 20

7. 'कर्मनाशा की हार' में चित्रित ग्रामीण समाज की जटिलताओं, दुविधाओं और अंतर्विरोधों को स्पष्ट कीजिए। 20

8. 'सिक्का बदल गया' भारतीय इतिहास की किस घटना पर केन्द्रित है? क्या रचनाकार इससे उत्पन्न स्थितियों को उभारने में सफल रही हैं? तर्क सहित उत्तर दीजिए। 20

9. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए : $2 \times 10 = 20$

(क) 'मैला आँचल' में लोक संस्कृति

(ख) 'ठाकुर का कुआँ' का यथार्थ

(ग) 'यह अंत नहीं' में दलित चेतना

(घ) 'एक दिन का मेहमान' में युगीन यथार्थ